

माइनिंग कॉन्क्लेव कटनी में, जबलपुर में गडकरी-मोहन ने लोकार्पित किया सबसे बड़ा फ्लाईओवर

सबसे बड़ा निर्माण-निवेश, खनन सेक्टर के दिग्गजों का जमावड़ा

भोपाल/ कटनी, दोपहर मेट्रो।
मप्र सरकार का फोकस आज महाकोशल में अधोसंरचना की मजबूती और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर है। दोनों क्षेत्रों में आज 'सबसे बड़ा फेक्टर' अहम है। दरअसल, इस कड़ी में जबलपुर में प्रदेश के सबसे बड़े व करीब सात किमी के फ्लाईओवर का लोकार्पण केन्द्रीय मंत्री भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया है। वहीं क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ मेटल पर केंद्रित प्रदेश की दूसरी माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 आज कटनी में शुरू हुई है। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फ्लाईओवर समेत 4250 करोड़ से अधिक लागत से 174 किलोमीटर लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इससे पहले गडकरी और यादव के बीच डुमना एयरपोर्ट पर चर्चा भी हुई। फ्लाईओवर का नाम वीरगंगा रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। वहीं इसके बाद कटनी में मुख्यमंत्री मोहन यादव माइनिंग कॉन्क्लेव में शामिल हो रहे हैं। यहां भी सरकार को अब तक के सबसे बड़े निवेश प्रस्ताव की उम्मीद है। हालांकि मप्र कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने इस आयोजन पर सवाल उठाए हैं। उधर

कॉन्क्लेव में प्रदेश और देशभर से माइनिंग सेक्टर से जुड़े लगभग दो हजार प्रतिनिधियों की मौजूदगी है। इसमें कोयला, ऊर्जा, हाइड्रोकार्बन, प्रौद्योगिकी प्रगति, चूना पत्थर और सीमेंट उद्योग के क्षेत्र से मुख्यमंत्री अपराह्न बाद वन-टू-वन चर्चा करेंगे। इस दौरान क्रिटिकल मिनरल की खोज और खनन के

टेक्समाइन आईआईटी, आईएसएम (धनबाद) और आईआईएसईआर (भोपाल) जैसे संस्थानों के साथ एमओयू किए जा रहे हैं। क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग बढ़ाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के साथ भी एमओयू होगा। खनन



लिए एमओयू साइन किया जाएगा। कॉन्क्लेव में कोल इंडिया लिमिटेड, अडानी ग्रुप, एचसीएल समेत माइनिंग क्षेत्र के निवेशक, नीति निर्माता शामिल हैं। बताया जाता है कि कॉन्क्लेव में खनन और प्रौद्योगिकी में शोध के लिए

क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स, खनिज संवर्धन संयंत्र और मशीनरी निर्माता कंपनियां भी आएंगी। पेट्रोकेमिकल और हाइड्रोकार्बन मिनरल की खोज और उत्खनन की संभावनाओं को भी निवेशकों के समक्ष रखा जाएगा।

निर्माण : बदल गई शहरी सूरत

मदनमहल से दमोह नाका तक निर्मित यह फ्लाईओवर आधुनिक शहरी यातायात व्यवस्था में सहायक होगा। लगभग 1052 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6.855 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड कॉरिडोर कई मायनों में खास है। इसमें रेल मार्ग के ऊपर निर्मित 192 मीटर लंबा सिंगल स्पान केबल स्टे ब्रिज भी शामिल है। इस परियोजना में कुल तीन बो-ट्रिडिंग ब्रिज भी शामिल किए गए हैं। सभी पुल स्टील से निर्मित हैं।

खनिज : इन सेक्टर पर हो रही चर्चा

इसमें कोयला और ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा हाइड्रोकार्बन, प्रौद्योगिकी प्रगति, क्रिटिकल मिनरल्स और चूना पत्थर एवं सीमेंट सेक्टर पर भी चर्चा हो रही। कार्यक्रम में डिजिटल परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें खनन कार्यों में ऑटोमेशन के साथ एआई और मशीन लर्निंग के उपयोग पर चर्चा होगी। सरकार को आज खनिज क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है।



चमोली में बादल फटे, घर में घुसा मलबा, कई लापता

देहरादून, एजेंसी
उत्तराखंड के चमोली में फिर आपदा की स्थिति है। यहां देर रात बादल फटने से एसडीएम आवास सहित कई घरों में मलबा घुस गया। कई गाड़ियां मलबे में दबी हुई हैं। अफसरों ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। 20 साल की युवती मलबे में दब गई। वहीं कुछ लोग लापता हैं। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ टीमें मौके पर हैं। कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति है। मलबा पिंडर नदी के पास की इमारतों में जमा है। बारिश के कारण थराली को जोड़ने वाला कर्णप्रयाग-ग्वालदम नेशनल हाईवे मिंग गंधेरा के पास मलबा आने के कारण बंद हो गया है। उधर राजस्थान के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में आज से तीन दिन अगस्त तक भारी

से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे-305 समेत 347 सड़कों अभी भी बंद हैं। वहीं दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचने वाला है। प्रशासन ने मयूर विहार में बाढ़ राहत शिविर लगाए हैं। अगर पानी खतरे के निशान को पार कर जाए और आस-पास के घरों में पानी भर जाए तो कोई नुकसान न हो।

मप्र में 13 जिले अलर्ट पर
मप्र में आज तेरह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इनमें नीमच व मंदसौर में अति भारी बारिश तथा , शिवपुरी, मुरैना, गुना, राजगढ़, शजपुर, आगर-मालवा, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में भारी बारिश हो सकती है।

कपड़ा उद्योग को बड़ी राहत

कपास आयात पर 11 प्रतिशत ड्यूटी हटाकर ट्रंप को सीधा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी
सरकार ने कपड़ा उद्योग की एक पुरानी मांग मान ली है और कपास के आयात पर 11 प्रतिशत की ड्यूटी हटा दी है। भारत ने इसके जरिए कई निशाने साधे हैं। यह फैसला टेक्सटाइल इंडस्ट्री को राहत देगा। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश जाएगा। भारत को कॉटन एक्सपोर्ट करने के मामले में अमेरिका दूसरे नंबर पर है। वहीं, यह फैसला बांग्लादेश के लिए सिरदर्द होगा। इससे टेक्सटाइल सेक्टर में उसके लिए चुनौती बढ़ेगी। भारत ने ऐसा इसलिए किया ताकि अमेरिका की ओर से लगाए गए ऊंचे टैरिफ से इस इंडस्ट्री को बचाया जा सके। ड्यूटी हटाने का यह फैसला 30 सितंबर तक लागू रहेगा। दरअसल, अमेरिका भारत को कपास का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। वह व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दौरान भारतीय बाजार में ज्यादा पहुंच की मांग कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उद्योग ने अमेरिकी कपास पर ड्यूटी में कटौती का सुझाव दिया



था। यह सुझाव व्यापार समझौते को बेहतर बनाने के लिए दिया गया था। बांग्लादेश ने भी ऐसी ही रियायत अमेरिका को समझौते में शामिल होने के लिए दी थी। शुल्क हटाने का मकसद उद्योग की मुश्किलों को कम करना है। इसमें अमेरिका के ऊंचे शुल्क और कपास की ऊंची कीमतें शामिल हैं। यह अमेरिकी वातावरणों को भी एक संकेत है कि भारत वाशिंगटन से कपास के आयात पर बातचीत करने को तैयार हो सकता है। बताया जाता है कि गत वर्ष भारत का लगभग 1.20 अरब डॉलर का कपास आयात 28 मिमी या उससे अधिक स्टेपल लंबाई का था।

डीके ने संघ का प्रार्थना गीत गाया, कांग्रेस सन्न

पवार की पत्नी भी संघ कार्यक्रम में पहुंची
नई दिल्ली, एजेंसी
महाराष्ट्र में डिटी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और कर्नाटक में डिटी सीएम डीके शिवकुमार को लेकर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा है। दोनों के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कनेक्शन है। हाल में एनसीपी सांसद सुनेत्रा जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में शामिल हुईं, वहीं कर्नाटक में डीके शिवकुमार का संघ प्रेम सामने आ गया। उन्होंने संघ के कार्यक्रम में प्रार्थनागीत की पंक्तियां सुनाकर हलचल मचा दी। इससे पहले भी संघ के कार्यक्रम में शामिल होने वालों में राष्ट्रपतिप्रणव मुखर्जी से लेकर वाम नेता तक का नाम भी शामिल है। सुनेत्रा पवार राज्यसभा सांसद हैं, जब दिल्ली में भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने घर पर राष्ट्र सेविका समिति महिला शाखा का आयोजन किया तो पवार को भी बुलाया था। एनसीपी नेता रोहित पवार ने अपनी चाची सुनेत्रा के संघ कार्यक्रम में शामिल होने पर हैरत जताई है। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने विधानसभा में चित्रास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ पर चर्चा के दौरान संघ प्रार्थना की कुछ पंक्तियां गाकर सबको चौंका दिया। शिवकुमार को उस समय आरएसएस की शाखाओं में की जाने वाली प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की शुरुआती कुछ पंक्तियां गाते सुना गया जब भाजपा विधायक उन पर 'भगदड़ के दौरान उकसाने' का आरोप लगा रहे थे। बताते हैं कि जब विपक्ष के नेता, भाजपा के आर अशोक ने शिवकुमार को याद दिलाया कि उन्होंने एक बार कहा था कि वह 'आरएसएस की चट्टी' पहनते हैं।

5 साल बाद दबे पांव टिकटॉक की भारत में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी
भारत में फिर चीनी वीडियो ऐप टिकटॉक की पांच साल बाद वापसी के दावे किये जाने लगे हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन टिकटॉक वेबसाइट खुलने के दावों के बीच कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है, उसका कहना है कि मोदी का चीन के प्रति प्रेम, देशप्रेम पर भारी पड़ रहा है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा- भारत में चीन की कंपनी टिकटॉक की वेबसाइट चलने लगी है, चीन से झड़प में हमारे 20 जांबाज सैनिक शहीद हुए, पहले तो मोदी ने चीन को क्लीनचिट दी, लेकिन जब कांग्रेस ने दबाव बनाया तो हेडलाइन मैनेज करने को



टिकटॉक बैन किया। खबरों के मुताबिक यह वेबसाइट कुछ यूजर्स के लिए खुल रही है, लेकिन टिकटॉक का मोबाइल ऐप अभी भी भारत में नहीं है। वर्ष 2020 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के खतरे का हवाला देते हुए टिकटॉक सहित 59 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया था।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर फिर सीबीआई के छापे

पटना, एजेंसी
प्रवर्तन निदेशालय के छापों के ठीक एक महीने बाद आज सीबीआई ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये रेड मुंबई में की गई है। यह यस बैंक से लिए 17 हजार करोड़ रुपये के लोन धोखाधड़ी मामले में है। 23 जुलाई को भी ईडी ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। बताया जाता है कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों लोन दिया गया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और रूप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया तथा यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है। ईडी का कहना है कि ये एक सोचा-समझा और सुनियोजित प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए।

डीपी अहिरवार बने ऊर्जा विकास निगम के जीएम

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता डीपी अहिरवार की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर ऊर्जा विकास निगम को सौंपते हुए उन्हें महाप्रबंधक के रूप में पदस्थ किया गया है। यह पद 30 अप्रैल 2022 से भुवनेश्वर पटेल के त्याग पत्र के बाद से खाली था। इसके अलावा ऊर्जा निगम में सौर ऊर्जा का काम देख रहे अधीक्षण यंत्री अवनीश शुक्ला की सेवाएं विद्युत मंडल को लौटा दी गई हैं।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

रूस सस्ता तेल देगा तो क्या सरकार उपभोक्ताओं को राहत देगी!

नई दिल्ली, एजेंसी
रूस ने भारत को कच्चे तेल यानी कूड ऑयल पर 5 फीसद अतिरिक्त छूट देने का जो ऐलान किया है उससे भारत को बड़ी राहत मिल सकती है। फैसला ऐसे समय आया है जब नए अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत, रूस का सबसे बड़ा ग्राहक बनकर उभरा है। इस छूट की वजह से भारत को हर साल हजारों करोड़ रुपये की बचत होगी, जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को काबू में रखने, महंगाई कम करने और विदेशी खर्च (डॉलर आउटफ्लो) घटाने में मदद मिलेगी। हालांकि यह उत्सुकता भी जाग रही है कि क्या इससे भारत में पेट्रोल डीजल की कीमतें कम होंगी? दरअसल, इस वक्त भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है और अपनी जरूरत का लगभग



85फीसद कूड ऑयल दूसरी देशों से मंगाता है। अभी भारत रोज करीब 5.2 मिलियन बैरल कूड ऑयल आयात करता है, जिसमें से एक तिहाई (यानी करीब 1.7-2.0 मिलियन बैरल/दिन) सिर्फ रूस से आता है। अक्टूबर से साल भर में भारत को लगभग 625-730 मिलियन बैरल तेल मिल जाता है।

छूट का सीधा फायदा भारत की जेब पर पड़ेगा इस छूट से हर बैरल पर 310 की बचत। अब अगर सालाना रूस से 625-730 मिलियन बैरल तेल खरीदा जाए, तो इस छूट से भारत को एक साल में 19,000 से लेकर 23,000 करोड़ रूप्रु प्रति वर्ष बचत होगी। 2024-25 में जब रूस ने छूट और ज्यादा दी थी और

भारत ने उससे और ज्यादा तेल मंगाया था, तब देश को लगभग 83,000 करोड़ की बचत हुई थी। उल्लेखनीय है कि तेल के इस भारी-भरकम बिल पर छूट मिलने से सरकारी तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ता है, सरकार टैक्स घटाकर आम जनता को राहत दे सकती है, पेट्रोल-डीजल की कीमतें ज्यादा नहीं बढ़तीं, और देश का कुल व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) भी काबू में रहता है, जिससे रुपये की स्थिति मजबूत बनती है। भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां जब रूस से सस्ता तेल खरीदती हैं, तो उन पर दबाव कम होता है और उनकी आय बढ़ जाती है। इस वजह से वे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी नहीं करतीं, यानी आम लोगों के लिए ये पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स महंगे नहीं

ट्रांसपोर्ट पर असर, रोजमर्रा की चीजें महंगी नहीं होतीं

पेट्रोल-डीजल सस्ते रहने से बस, टैक्सी, ट्रक, ट्रेन और ट्रांसपोर्ट की लागत कम रहती है। इससे सामान ढुलाई सस्ती होती है और फल, सब्जी, अनाज और दूसरी रोज इस्तेमाल की चीजों की कीमत भी नियंत्रण में रहती है। महंगाई नियंत्रित होती है। तो इसका सीधा लाभ लोगों की जेब तक पहुंचता है।

होते। सस्ते तेल की वजह से सरकार पर आर्थिक दबाव कम होता है, जिससे उसके पास पेट्रोल-डीजल पर लगाने वाले टैक्स कुछ हद तक कम करने या सब्सिडी देने की गुंजाइश बनती है।

भोपाल में गणेश उत्सव की तैयारी अंतिम चरण में



भोपाल। शहर में गणेश चतुर्थी का पर्व नजदीक आते ही उत्सव का माहौल रंगों और भक्ति से सराबोर हो गया है। माता मंदिर क्षेत्र में बंगाल से आए कलाकार इन दिनों तरह-तरह की सुंदर और आकर्षक गणेश जी की प्रतिमाओं को गढ़ने में जुटे हुए हैं। ये कलाकार अपने हुनर से मिट्टी और प्लास्टर से ऐसी भव्य प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं, जिन्हें देखकर भक्त मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। गणेश उत्सव को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। श्रद्धालु अपने-अपने घरों और पंडालों के लिए प्रतिमाओं की बुकिंग कर रहे हैं। छोटे आकार से लेकर विशालकाय प्रतिमाओं तक कलाकार विविध डिजाइनों और रंग-रूप में गणेश जी की प्रतिमाएं बना रहे हैं। इस दौरान कलाकारों का कहना है कि भोपाल में गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिलता है और इसी कारण हर साल वे यहां आकर प्रतिमाएं बनाते हैं।

135 करोड़ से हो रहा नयी इमारत का निर्माण

नए सुल्तानिया अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी होंगी, कई नए प्रयोग भी होंगे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के सवा सौ साल पुराने सुल्तानिया अस्पताल को हाईटेक और मॉडर्न रूप देने में कई प्रयोग होने वाले हैं। इसकी बिल्डिंग इस तरह बनाई जा रही है, जिसमें दिन में लाइट जलाने की जरूरत नहीं पड़े। दावा है कि इसके तीन फ्लोर में एयर कंडीशनर तक की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। हालांकि, आईसीयू और सेंसिटिव एरिया समेत नीचे के दो फ्लोर में जरूरत के लिहाज से ऐसी लगाने जरूरी होंगे। दरअसल यह इमारत अंग्रेजी के आई अक्षर के शेप में बन रही है। बिल्डिंग के ज्यादातर हिस्से में प्राकृतिक रोशनी सीधे जाएगी।

छत पर सोलर पैनल लगेंगे। इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए पार्किंग में चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। बताया जाता है कि इस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण कार्य 136 करोड़ की लागत से अगस्त 2026 तक पूरा हो जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में ये जिले का पहला ऐसा अस्पताल होगा, जहां ऑपरेशन थिएटर में रोबोटिक सर्जरी भी होगी। मिनिमल इनवेसिव प्रोसीजर और स्मार्ट मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं पहली बार किसी सरकारी सेटअप में एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी।



मरीजों के बीच रहेगा फासला

बताया जाता है कि अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी के अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए हैं, जिससे गंभीर मरीज, भर्ती मरीज और सिर्फ ओपीडी में दिखाकर लौट जाने वाले मरीज एक-दूसरे से अलग रहेंगे। गंभीर और भर्ती मरीज ओपीडी की भीड़ से बच सकेंगे। इनकी जांच और बिलिंग भी अलग-अलग होगी। जिला स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि यह पहला अस्पताल है, जिसके निर्माण के लिए हॉस्पिटल प्लानर तक नियुक्त किया था। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा के मुताबिक पुराने सुल्तानिया की सेवा परंपरा और नए दौर की तकनीक का यह संगम बनेगा।

पहला फेज एक साल में

अभी अस्पताल का फर्स्ट फेज अगस्त 2026 तक पूरा करने की डेडलाइन रखी गई है। इसमें अस्पताल में जच्चा-बच्चा से लेकर बुजुर्गों और संक्रामक रोगों के मरीजों को इलाज मिलने लगेगा। यहां 24x7 इमरजेंसी सेवा मिलेगी। मरीजों को लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस सेवा के साथ मुक्तकों के लिए शव वाहन मुहैया कराए जाएंगे। अलग से ट्रॉमा केयर यूनिट होगी, जिसमें दुर्घटना की चपेट में आए मरीजों का इलाज किया जाएगा।लेजर मशीनों से लैस एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट बनाई जाएगी।

हमीदिया में जापान से आई हाईटेक मशीन

हार्ट और किडनी की हो सकेगी बगैर डरे जांच

भोपाल। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में जापान से आई 7.7 करोड़ रुपए की हाईटेक बाइप्लेन कैथ लैब का इंस्टॉलेशन शुरू हो गया है। इस मशीन से हार्ट की जांच में डाई बेहद कम लगेगी और किडनी मरीज भी बिना डर के टेस्ट करा सकेंगे। नई कैथ लैब में प्रोसीजर भी दोगुने तेजी से हो पाएंगे। मशीन की खासियत यह है कि जांच करने के दौरान बेहद कम डाई की जरूरत पड़ती है। यह हार्ट में ब्लॉकज से लेकर अन्य समस्याओं की सटीक जानकारी देती है। हमीदिया में कैथ लैब मशीन के लिए नए भवन ब्लॉक-वन की तीसरी मंजिल पर नई लैब तैयार की गई है। जिसमें जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर इलेक्ट्रिकल काम पूरा हो चुका है। मशीन का इंस्टॉलेशन भी शुरू कर दिया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में 15 दिन लगेंगे। हमीदिया अस्पताल में पुराने भवन के स्थान पर नए बहुमंजिला भवन तैयार किए जा रहे हैं। पुराने प्लान के तहत नए भवन ब्लॉक-वन और मेडिकल कॉलेज के बीच मौजूद पुराने भवन को पूरी तरह से तोड़ा जाना था, जिसमें पुरानी कैथ लैब का हिस्सा था। अब नए प्लान के तहत पुरानी लैब को तोड़े बिना नए भवन का निर्माण होगा।



7.7 करोड़ रुपए की इस हाईटेक बाइप्लेन कैथ लैब का इंस्टॉलेशन शुरू

जोखिमग्रस्त बच्चों के पुनर्वास में 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' बनेगी आधार



भोपाल, दोहपर मेट्रो

आयुक्त महिला एवं बाल विकास सूफिया फारूकी वली ने कहा कि 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' बच्चों के सामने आने वाले खतरों और चुनौतियों का व्यवस्थित आकलन है, जो बाल संरक्षण योजनाओं को मजबूत बनाता है और विभागीय समन्वय को सुनिश्चित करता है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारियों एवं बाल कल्याण समितियों को निर्देशित किया कि चिन्हित बच्चों को योजनाओं से जोड़कर सुरक्षित पारिवारिक वातावरण प्रदान करें और 'स्ट्रीट चिल्ड्रन पालिसी-2022' के अनुसार सड़क पर रहने वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ें। उल्लेखनीय है कि 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' ऐसे बच्चों का चिन्हांकन है जो किसी भी तरह के शारीरिक अथवा मानसिक नुकसान, शोषण, दुर्व्यवहार के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग

द्वारा गुरुवार को होटल एमपीटी लेक व्यू भोपाल में 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' एवं परिवार आधारित वैकल्पिक देख रेख विषयक राज्य स्तरीय बैठक में यह बात कही। बैठक में प्रदेश के तीन संभागों भोपाल, इंदौर एवं उज्जैन के 12 जिलों को प्रथम चरण में शामिल कर 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' की कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि 'वल्नरेबिलिटी मैपिंग' से चिन्हित बच्चों को दत्तक ग्रहण, फोस्टर केयर और स्पॉन्सरशिप जैसी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्पॉन्सरशिप के माध्यम से सहयोग, दिव्यांग बच्चों को विकलांगता पेंशन का लाभ, गुमशुदा और तस्करी से बचाए गए बच्चों को उनके परिवार में पुनर्वास, शाला त्यागी बच्चों का पुनः प्रवेश, स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा उपचार और परामर्श हेतु आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी।

लखनऊ के लिये वंदेभारत में अब 20 कोच होंगे, अगले महीने तक शेड्यूल

भोपाल। अब राजधानी से लखनऊ के बीच यात्रा में बड़ी राहत मिलने जा रही है। जल्द ही इस रूट पर 20 कोच की अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ने लगेगी। पहले यह ट्रेन 16 कोच के साथ प्रस्तावित थी, लेकिन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे बोर्ड ने भोपाल मंडल की मांग पर अतिरिक्त चार कोच की स्वीकृति दे दी है।



सूत्रों के अनुसार भोपाल-लखनऊ वंदेभारत एक्सप्रेस से जुड़ी आधिकारिक अधिसूचना इसी माह के अंतिम सप्ताह में जारी कर दी जाएगी। इसके बाद ट्रेन के संचालन की समय-सारणी, किराया और ठहराव की जानकारी भी सार्वजनिक होगी। 20 कोच की वंदे भारत एक्सप्रेस

में अधिक यात्री सफर कर पाएंगे। यह ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी और तेज रफ्तार के साथ कम समय में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। भोपाल और लखनऊ के मध्य में आने वाले शहरों के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा। हालांकि अभी नई वंदे भारत का रैक आने में इसलिए देर हो रही है, क्योंकि रानी कमलापति स्टेशन पर पिट लाइन मौजूद नहीं है। अभी दो पिट लाइन हैं, जो मौजूदा रैक के संधारण कार्य के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में यहां एक नई पिटलाइन पर काम चल रहा है। उसका काम पूरा होते ही रैक उपलब्ध हो जाएगा। ट्रेन की मरम्मत करने और साफ-सफाई के लिए पिटलाइन की जरूरत होती है।

उमंग सिंघार के बयान पर भाजपा ने जताई नाराजगी

भोपाल दोपहर मेट्रो। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा कलेक्टर के कामकाज पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए उन्हें आरएसएस और भाजपा का गुलाम बताने पर भाजपा भड़क गई है। सिंघार ने कहा कि छिंदवाड़ा कलेक्टर इतना डरपोक है कि भाजपा का गुलाम है। अगर गुलाम है तो भाजपा, आरएसएस के कपड़े पहन लें। सिंघार ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इधर सिंघार के बयान पर भाजपा की ओर से विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि उमंग सिंघार की भाषा और सोच, दोनों ही नेता प्रतिपक्ष जैसे गरिमायम संवैधानिक पद की मर्यादा के खिलाफ हैं। नेता प्रतिपक्ष का पद जनता द्वारा सौंपा गया एक गंभीर और जिम्मेदार दायित्व है। लेकिन उमंग सिंघार ने इसे मजाक बना दिया है।

पहली बार राजकीय सम्मान के साथ देहदान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी म पहली बार राजकीय सम्मान के साथ देहदान सम्पन्न हुआ। किरण फाउंडेशन के सहयोग से भोपाल निवासी स्व. श्रीमती रमा 79 वर्ष जिनके पुत्र राजेश गुप्ता नेशनल अस्पताल भोपाल के मेडिकल संचालक हैं, का देहदान गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में कराया गया। इस अवसर पर राजकीय सम्मान के साथ पूरे विधि-विधान से देहदान प्रक्रिया सम्पन्न की गई। देहदान की इस पूरी प्रक्रिया में गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह और डॉ. संदीप ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया। डीन डॉ. कविता सिंह ने कहा कि इस पहल से न केवल चिकित्सा शिक्षा को बल मिलेगा, बल्कि समाज में देहदान जैसे पुण्य कार्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।



मंत्री ने दी श्रद्धांजलि: उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि देहदान सबसे बड़ा दान है। यह मानव जीवन को सेवा के माध्यम से अमर बना देता है। शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ऐसे प्रेरणादायी कार्यों को

सम्मान देने के लिए संकल्पित है। उन्होंने स्व. श्रीमती रमा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में अनुपम सहयोग देगा।

वर्ष 2003 से प्रतियोगिता हो रही आयोजित आज करोंद में मटकी फोड़ स्पर्धा एक्टर सुनील शेट्टी रहेंगे मौजूद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में आज जन्माष्टमी उत्सव की भक्ति और उल्लास फिर नजर आने वाला है। करोंद चौराहे में इस बार भी प्रदेश के सबसे बड़े और मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है और इसमें बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी और इंडियन आइडल से चर्चित गायक सवाई भट्ट विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। आयोजन की जानकारी श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के अध्यक्ष और भाजपा नेता सुमित पचौरी ने दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 से निरंतर प्रतियोगिता



का आयोजन किया जा रहा है और यह प्रदेश की सबसे बड़ी मटकी फोड़ प्रतियोगिता बन चुकी है। इस प्रतियोगिता में हर साल प्रदेशभर से कई जिलों की टीमें भाग लेती हैं। बड़ी संख्या में युवाओं की टोली मटकी फोड़ने के लिए जुटती है। इस बार भी दर्जनों टीमें प्रतियोगिता में शामिल होंगी। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता शाम को होगी। और देर रात तक चलेगी। टीमें एक-एक कर मंच पर पहुंचेंगी और पारंपरिक अंदाज में मटकी फोड़ने का प्रयास करेंगी।

मेट्रो एंकर

डिफेंस इंडस्ट्री इंटरैक्शन प्रोग्राम में उद्योगों और नीति-निर्माताओं ने साझा किए विजन ‘रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में अग्रणी बनने को तैयार मप्र’

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश रक्षा और एयरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने के लिए नई पहचान बना रहा है। अनुकूल औद्योगिक माहौल, मजबूत बुनियादी ढांचा और अग्रणी नीतियों के बल पर राज्य रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार का नया केंद्र बनता जा रहा है। इसी उद्देश्य से रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने और नए अवसरों पर चर्चा के लिए रक्षा इंडस्ट्री इंटरैक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

रक्षा उत्पादन विभाग, भारत सरकार की संयुक्त सचिव डॉ. गरिमा भगत ने कहा कि मध्यप्रदेश में रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण का हब बनने की अपार संभावनाएं हैं। हमारा प्रयास है कि एमएसएमई और स्टार्टअप को मजबूत सहयोग देकर उन्हें राष्ट्रीय रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जाए। उद्योग, अकादमिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के



बीच निरंतर सहयोग ही इस क्षेत्र में नवाचार को गति देगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा। संयुक्त सचिव डॉ. भगत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम एमएसएमई को रक्षा पीएसयू

और बड़े प्राइवेट सेक्टर से सीधे जोड़ते हैं जिससे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, जॉइंट वेंचर और महत्वपूर्ण प्रणालियों के सह-विकास के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि एसआरआईजन पोर्टल पर अब

तक 39 हजार से अधिक प्रोजेक्ट स्वदेशीकरण के लिए सूचीबद्ध हैं, जो निवेशकों और स्टार्टअप के लिए बड़े अवसर पैदा करते हैं। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर के रक्षा उद्योग के मजबूत इंसोसिस्टम और वेंडर बेस पर विशेष चर्चा हुई। डॉ. गरिमा भगत ने बताया कि जबलपुर में 300 करोड़ रु. की लागत से एक मैनुफैक्चरिंग, रिपेयर एंड ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा स्थापित की जा रही है, जिससे स्थानीय उद्योगों के लिए बड़े अवसर तैयार होंगे। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के कारण रक्षा निर्माण में निवेश के लिए देश का सबसे स्वाभाविक और सर्वोत्तम स्थान है। राज्य में ऑटो क्लस्टर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, तकनीकी वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तेजी से विकसित हो रहे हैं।

भूमि
निवे
जैस
मध्य
भार
उत्पा
आगे
एमए



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश की खनिज संपदा आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री



मध्यप्रदेश माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0

खनन क्षेत्र के भविष्य की नई दिशा - क्रमिक । निरंतर । नीतिगत

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

23 अगस्त, 2025 । पूर्वाह्न 10:00 बजे
द अरिंदम होटल, कटनी, मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय उत्पादन में
मध्यप्रदेश का योगदान

हीरा



एकमात्र उत्पादक प्रदेश

तांबा



73%

रॉक फॉस्फेट



29%

मैंगनीज



26%

चूना पत्थर



9%

कोयला



8%

कॉन्क्लेव के
फोकस सेक्टर



कोयला और ऊर्जा
औद्योगिक विकास व
विद्युत उत्पादन का आधार



ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन
आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में
महत्वपूर्ण संसाधन



प्रौद्योगिकीय प्रगति
डिजिटल, स्मार्ट और
आधुनिक खनन समाधान



क्रिटिकल मिनरल्स
भविष्य की अर्थव्यवस्था
के लिए आवश्यक आधार



चूना पत्थर और सीमेंट
निर्माण और अधोसंरचना
विकास की रीढ़



खनिज एवं खनिज उत्पाद
आधुनिक खनन तकनीकों और
खनन क्षेत्र में डिजिटलीकरण
पर विशेष प्रदर्शनी

मध्यप्रदेश खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभरा है। प्रदेश खनिजों की प्रचुरता और सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खनन क्षेत्र न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि देश के औद्योगिक विकास और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। - डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

आइए, मध्यप्रदेश माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 का हिस्सा बनें और भविष्य के अवसरों से जुड़ें

संपादकीय

वसूली का पैमाना तय हो

सुविधा ही जब समस्या बन जाती है तो निराकरण आवश्यक हो जाता है। मगर दावे निराकरण के होते रहें और तस्वीर इसके उलट रहे तो दिक्कत रहती है। इस कड़ी में एक मसला टोल नाकों का भी है। देश भर में टोल शुल्क की वसूली का मकसद आम लोगों के लिए सफर को आसान और सुगम बनाना बताया जाता है। मगर, लोगों को इन जगहों पर यदि घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़े तो शुल्क वसूलने के औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लिहाजा ऐसे ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि अगर किसी व्यक्ति को पैसठ किलोमीटर लंबे राजमार्ग को तय करने में बारह घंटे लगते हैं, तो उस यात्री को टोल शुल्क का भुगतान करने के लिए क्यों कहा जाए। यानी जिस दूरी को पार करने में तकरीबन एक घंटे का समय लगता हो, उसमें ग्यारह घंटे अतिरिक्त लग जाएं तो ऐसी सुविधा के नाम पर शुल्क की वसूली क्यों होनी चाहिए? यह मामला तो एक बानगी है, देश भर में न जाने कितने लोगों को

रोजाना शुल्क का भुगतान करने के बावजूद इस तरह की समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। असल में जब किसी सड़क मार्ग पर टोल शुल्क की वसूली शुरू होती है तो यात्रियों को यह विश्वास होता है कि उनका सफर सुविधाजनक होगा। मगर, सुचारु यातायात प्रवाह बनाए रखने में विफलता से जन विश्वास भी डगमगाने लगता है। नियमानुसार, जो कंपनी टोल शुल्क की वसूली करती है, संबंधित सड़क मार्ग की देखभाल और निर्बाध यातायात की व्यवस्था करना भी उसी की जिम्मेदारी होती है। शीर्ष अदालत पहुंचा यह मामला केरल के त्रिशुर से जुड़ा हुआ है। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को राष्ट्रीय राजमार्ग 544 के एडापल्ली-मन्नुथी खंड की खराब स्थिति और निर्माण कार्यों के कारण लगने

वाले यातायात जाम के आधार पर टोल शुल्क के निलंबन का आदेश दिया था। दरअसल, उच्च न्यायालय ने कहा था कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग का रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा है और यातायात जाम बहुत अधिक है, तो वाहन चालकों से टोल शुल्क नहीं वसूला जा सकता। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से टोल शुल्क वसूली को लेकर कई तरह के नियम हैं, जिनमें टोल नाके पर वाहन के रुकने की समय सीमा भी निर्धारित है। यानी समय सीमा के भीतर ही वाहन से शुल्क लेने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। मगर, ज्यादातर जगहों पर इन नियमों का पालन नहीं हो पाता है। यही वजह है कि आए दिन टोल नाकों पर यात्रियों और टोल कर्मियों के बीच विवाद एवं मारपीट की खबरें

आती रहती हैं। हाल में मेरठ जिले में छुट्टी के बाद इयूटी पर लौट रहे एक सैन्यकर्मि की कार टोल नाके की लंबी कतार में फंस गई और टोल कर्मचारियों से जाम हटाने को कहने पर उसके साथ मारपीट की गई। यहीं नहीं, कई बार जल्दबाजी में या अन्य किसी वजह से ज्यादा शुल्क कट जाने पर संबंधित यात्री को शेष पैसे वापस लेने के लिए बैंक की जटिल प्रक्रिया से जूझना पड़ता है। टोल नाकों पर जाम की स्थिति से छुटकारा दिलाने के लिए सरकार ने फास्टैग व्यवस्था भी लागू की है, बावजूद कई जगह वाहनों की लंबी कतारें अक्सर देखी जा सकती हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि टोल वसूलने वाली जगहों और संबंधित कंपनियों के लिए नियमों को कड़ाई से लागू करे, अभी ऐसा नहीं होता है और टोल वसूलने वाली कंपनियों के कर्मचारी बहुत आक्रामक तरीकों से यात्रियों से पेश आते हैं। सड़कों के रखरखाव में भी کوتाही करते हैं। इसीलिये जनता को गाड़ी कमाई का पैसा इन्हें देने में बहुत अफसोस रहता है।

अपनी परिस्थितियों पर विचार न करनेवाला व्यक्ति मूर्ख होता है। - अमृतलाल नागर

निशाना

बढ़ चुका है रथ !



घूम रहे हर रोड-गली ।
जोर है लगाया ॥
वोट ही अधिकार ।
कुसी की जब माया ॥
साथ हैं फिलहाल ।
गुणा भाग की बात ॥
दमखम है दिखाना ।
है कोशिश दिन रात ॥
बाण रहे हैं छोड़ ।
पहुंचे सत्ता द्वार ॥
कर दिया खुलासा ।
बन रही सरकार ॥
बच्चा बच्चा वोटर को ।
पल पल रहा निहार ॥
बढ़ चुका है रथ ।
करने को प्रतिकार ॥

- कृष्णोन्द्र राय

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार को इस नजरिए से भी देखिए !

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औजार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाजारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 ब से बढ़ाकर 50 ब तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूएल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूएल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022-23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20-30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85 ब हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या



अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों?

क्वाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को "opportunistic and very bad" कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है।

भारत 2021 तक रूस से अपनी जरूरत का केवल 1 ब से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे

पेट्रोल-डीजल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बहुत मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है।

अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51 ब बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध

भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलिएयम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे +व्यापारिक चतुराई+ कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे +खतरनाक+ कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नजर से छिपा नहीं है। वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औजार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम Global South कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज़ अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज होगा। अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खोड़ी का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

■ संजीव कुमार मिश्रा

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 17 अगस्त को 'वोट अधिकार यात्रा' शुरू की। सासाराम से शुरू हुई उनकी यह यात्रा 16 दिन तक चलेगी। राहुल की यह यात्रा बिहार विधानसभा चुनाव पर कितना असर डालेगी, यह तो समय बताएगा, लेकिन इतना तय है कि इसने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। यात्रा के पहले ही दिन एक तस्वीर सामने आई जिसने राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक बहस छेड़ दी। इस तस्वीर में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव उस गाड़ी को झाड़व कर रहे थे, जिसपर राहुल सवार थे। यह दृश्य मात्र एक फोटो नहीं था, बल्कि इसमें छिपे राजनीतिक संदेशों ने दूरगामी निहितार्थ पैदा कर दिए। किसी ने इसमें तेजस्वी को गठबंधन का सारथी माना, तो किसी ने इसे आरजेडी की फ्रंट सीट पर मौजूदगी का संकेत करार दिया। सवाल तो यह भी उठे कि क्या यह सब प्रणालन था? क्या तेजस्वी की इसके पीछे कोई रणनीति छिपी है? आखिर तेजस्वी यादव इस तस्वीर के जरिए क्या संदेश देना चाहते थे? या यह महागठबंधन की एकजुटता और भविष्य की साझेदारी का प्रतीक था? राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा 16 दिन में करीब 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। उनकी यात्रा बिहार के 25 जिलों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा का घोषित उद्देश्य लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जनता को जागरूक करना है। कांग्रेस इसे अपनी राष्ट्रीय राजनीति से भी जोड़कर देख रही है। पार्टी का मानना है कि बिहार जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य से लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए यात्रा की शुरुआत करना संगठन को नई ऊर्जा देगा। यात्रा के दौरान राहुल गांधी युवाओं, किसानों, महिलाओं और वंचित तबकों से संवाद कर रहे हैं। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि कांग्रेस के लिए यह सिर्फ अधिकारों की लड़ाई नहीं, बल्कि 2025 विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की जमीन पर अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास भी है। राजनीति में हर घटना के पीछे गहरे अर्थ छिपे होते हैं। इसलिए तेजस्वी यादव का स्टैरिंग चलाना और राहुल गांधी का यात्री बनना कोई सामान्य घटना नहीं है। राजनीतिक हलकों में इस तस्वीर के तीन निहितार्थ तलाशे गए? पहला नेतृत्व की स्थिति का संकेत। बिहार की राजनीति में झड़विंग सीट आरजेडी के पास है। कांग्रेस भले ही राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पार्टी हो, लेकिन बिहार में गठबंधन की कमान तेजस्वी ही संभाल रहे हैं। दूसरी, गठबंधन में साझेदारी, राहुल गांधी का साथ बैठना यह दिखाता है कि कांग्रेस महागठबंधन में बराबरी से सफर करना चाहती है। यह एक साझेदारी का प्रतीक था, जहां दोनों दल एक-दूसरे की मौजूदगी को स्वीकार कर रहे हैं या फिर एक अन्य संकेत टिकट बंटवारे का भी है। संदेश यह कि झड़विंग सीट भले ही आरजेडी के पास हो, लेकिन कांग्रेस भी इस गाड़ी में मौजूद है और उसके हिस्से की सीटों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। आरजेडी और कांग्रेस का गठबंधन नया नहीं है। यह दशकों पुराना है और बिहार की राजनीति में कई बार दोनों दल साथ-साथ चुनाव लड़ चुके हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी ने 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने का गौरव हासिल किया, जबकि कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ 19 सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि, 2024 के

राहुल गांधी का सारथी बनकर तेजस्वी क्या संदेश दे रहे हैं



लोकसभा चुनाव में गठबंधन के भीतर तनाव खुलकर सामने आ गया। सीट बंटवारे में आरजेडी ने 26 सीटों पर चुनाव लड़ा, कांग्रेस को केवल नौ सीटें मिलीं और वामदलों को पांच। कांग्रेस का आरोप था कि उसे ऐसी सीटें दी गईं जिन्हें %मृत सीटें% कहा जाता है, यानी जहां जीत की संभावना लगभग न के बराबर थी। उदाहरण के तौर पर पश्चिमी और पूर्वी चंपारण की 9 सीटों में से 7 और पटना जिले की 4 में से 3 सीटें एनडीए का गढ़ थीं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस वजह से उनका प्रदर्शन कमजोर रहा। साल 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर सीट बंटवारे का मुद्दा गरमाया हुआ है। 2020 में आरजेडी 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस बार भी वह कम से कम 140 सीटों पर दावा जताना चाहती है। कांग्रेस ने अपने पते अभी तक नहीं खोले हैं। लेकिन उसकी मांग साफ है कि इस बार उसे जीतने लायक सीटें दी जाएं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिका अनवर ने साफ कहा है कि सीटों केवल प्रभाव और जीत की संभावना के आधार पर ही तय की जानी चाहिए। यहां से तस्वीर का राजनीतिक महत्व और गहरा हो जाता है। क्या तेजस्वी यादव राहुल गांधी को यह संदेश देना चाहते थे कि महागठबंधन की गाड़ी उनकी झड़विंग सीट पर ही चलेगी? या फिर यह भरोसा जताना चाहते थे कि वे गठबंधन को सही दिशा में लेकर जाएंगे?

एक और बड़ी पेचीदगी इस बात की है कि कांग्रेस ने अब तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है। 2020 में कांग्रेस ने उन्हें सहर्ष मुख्यमंत्री पद का चेहरा मान लिया था, लेकिन इस बार पार्टी नेतृत्व सतर्क है। इसका कारण सीट बंटवारे की अनिश्चितता और आपसी अविश्वास भी है। दूसरी तरफ, आरजेडी

के लिए भी यह साफ है कि कांग्रेस के बिना गठबंधन कमजोर हो जाएगा। खुद तेजस्वी यादव कई बार सार्वजनिक मंच से यह कह चुके हैं कि गठबंधन में कोई दरार नहीं है, लेकिन अंदरूनी खींचतान की खबरें लगातार आती रही हैं। इस तस्वीर को केवल बिहार की राजनीति तक सीमित करने नहीं देखा जा सकता। यह इंडिया ब्लॉक की आंतरिक राजनीति से भी जुड़ी है। लोकसभा चुनाव के बाद जब ममता बनर्जी ने राहुल गांधी की जगह इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व संभालने की इच्छा जताई थी, तो लालू यादव ने सबसे पहले उनका समर्थन किया था। उस समय कांग्रेस और आरजेडी के रिश्तों में तल्छी और गहरी हो गई थी। ऐसे में राहुल गांधी के साथ यात्रा की शुरुआत में तेजस्वी का यह अंदाज विपक्षी एकजुटता की ओर भी इशारा करता है। यह संदेश देने की कोशिश है कि मतभेदों के बावजूद बिहार में महागठबंधन मजबूती से खड़ा है। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा भले ही लोकतंत्र और संविधान बचाने के मुद्दे पर केंद्रित हो, लेकिन इसमें छिपे राजनीतिक संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यात्रा के पहले ही दिन वायरल हुई तस्वीर ने यह साफ कर दिया कि बिहार की राजनीति में आने वाले महीनों में गठबंधन, सीट बंटवारा और नेतृत्व के सवाल सबसे अहम रहेंगे। तेजस्वी का सारथी बनना महज प्रतीक भर नहीं है, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संदेश है कि बिहार में महागठबंधन की गाड़ी की स्टैरिंग उनके हाथ में है। अब देखा होगा कि राहुल गांधी और कांग्रेस इस गाड़ी में कितनी सहजता से सफर तय कर पाते हैं और आने वाले चुनाव में यह जोड़ी कितना असर दिखा पाती है।

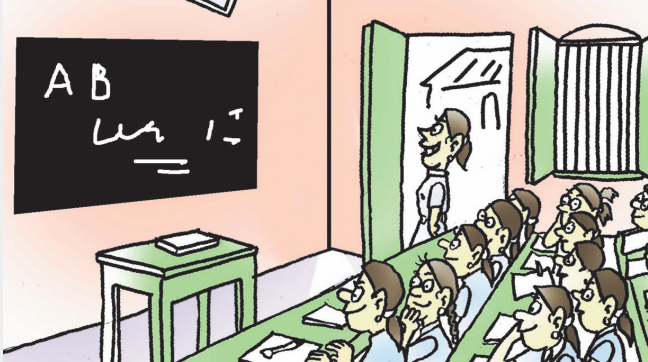
साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

संयुक्त संचालक के निरीक्षण में गैरहाजिर मिले टीचर, अन्य अनियमितताएं भी मिलीं

नहीं सुधर रहे मास्टर साहब... वेतन वृद्धि रुकेगी और कटेगा एक दिन का वेतन

सागर। दोहपर मेट्रो

सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाएं पटरी पर लाने के लिए विभागीय अफसर लगातार निरीक्षण कर अनियमितताओं पर कार्रवाई भी कर रहे हैं। बावजूद इसके शिक्षक अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं ला पा रहे हैं। शिक्षा विभाग के जेडी जब ग्रामीण क्षेत्र की एक स्कूल पहुंचे तो स्कूल में बड़ी अनियमितताओं के साथ ही नौ शिक्षक गैरहाजिर मिले। इस पर अनुपस्थित शिक्षकों की वेतन वृद्धि रोकने और एक दिन का वेतन काटने के साथ ही अन्य अनियमितताओं पर शोकाज नोटिस देकर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।



जानकारी के अनुसार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण मृत्युंजय कुमार ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मोहली विकासखंड सागर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में में नौ शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ अनुपस्थित पाए गए । निरीक्षण के दौरान कक्षा नवमी के विद्यार्थियों से चर्चा की गई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि बिज कोर्स का

शिक्षण कार्य वर्गवार नियमानुसार विभाजित कर नहीं कराया गया था। इसके संबंध में प्राचार्य सहित अधिकांश शिक्षकों को भी स्पष्ट जानकारी नहीं थी। संस्था में विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति संबंधी अभिलेख विधिवत संधारित नहीं पाए गए। साथ ही विद्यार्थियों से होमवर्क भी नियमित रूप से नहीं कराया गया। त्रुटि सुधार कार्य नियमानुसार कर गेले नहीं

लगाए गए थे। भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान विषयों के विद्यार्थियों को प्रायोगिक कार्य कराने के लिए लॉग बुक भी अभी तक तैयार नहीं की गई थी। संस्था परिसर में पान-गुटखा आदि खाकर गंदगी फैलाना भी निरीक्षण में पाया गया। इन सभी लापरवाहियों के दृष्टिगत संबंधितों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

तवा नदी के किनारे बाघ का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप, सवालियों के घरे में सुरक्षा व्यवस्था

शिकारियों के निशाने पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व बाघ को मारने के बाद उसका पंजा काट ले गए

पुनीत मालवीया, इटारसी।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व शिकारियों के निशाने पर है। 8 महीने पहले बानापुरा रेंज के बांसपानी जंगल में एक टाइगर के निर्दयता से शिकार के मामले के बाद अब एक बार फिर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सवालियों के घरे में हैं। अबकी बार जिस टाइगर का शिकार किया गया है उसका शव तवा नदी के किनारे मिला। शिकारी टाइगर का पंजा काटकर ले गए है। टाइगर के गले पर क्लच वायर मिलने से शिकार की पुष्टि हो रही है।

जानकारी के अनुसार बीती सुबह वन विकास निगम की जमीन से लगे तवा नदी के बैक वाटर में टाइगर रिजर्व की गश्ती टीम को शव मिला तो विभाग में हड़कंप मच गया । सूचना मिलते ही फ्रील्ड डायरेक्टर राखी नंदा मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल में टाइगर के एक पैर का पंजा कटा हुआ मिला। टीम द्वारा शव को नदी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। जिले में 10 दिन में दूसरे बाघ की मौत है। इस पहले 12 अगस्त को भी मर्हई के कोर क्षेत्र के लगदा कैप के पास पानी में टाइगर का शव मिला था। हालांकि उसका शिकार नहीं हुआ था। अधिकारियों ने उस वक्त टाइगर की मौत आपसी संघर्ष बताई थी, लेकिन अब जो शव मिला है उसके साथ स्थिति अलग है। इसलिए शिकार का एंगल सामने आ रहा है। डिप्टी डायरेक्टर ऋषभा



अन्य प्रदेश के शिकारी कर चुके हैं शिकार

बाघ के शव मिलने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। यह कोई पहला मामला नहीं है। पहले भी रिजर्व में शिकारियों के द्वारा बाघ का शिकार किया जा चुका है। कुछ दिन पहले भी एक बाघ का शव बरामद हुआ था, जिसको लेकर प्रशासन पहले से ही परेशान था और शुक्रवार को फिर एक बाघ का शव मिला जिसका पंजा कटा मिला है और गले में तार लपटा मिला। पहले जो शिकार हुआ था उसमे दूसरे प्रदेश के शिकारी शामिल थे, जिसको देखकर कहा जा सकता है कि दूसरे प्रदेशों के शिकारियों कि नजर भी रिजर्व पर है।

नेताम ने बताया कि तवा नदी के बैक वाटर में बाघ मृत अवस्था में मोटर बोट गश्ती टीम को दिखा। जिस जगह शव मिला वो वन विकास

निगम का क्षेत्र है। वहां से बड़ चापड़ा गांव नजदीक है। बाघ नदी में कहीं से बहकर आया है या शिकारियों ने उसी जगह फेंका इसकी

सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर चिंता

पिछले दो महीनों में एसटीआर में एक बाघ और एक तेंदुए की मौत हो चुकी है। इन घटनाओं के बाद, वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि पहले भी बाघ के शिकार के मामले सामने आ चुके हैं। जून 2022 में शिकारी एक बाघ की गर्दन काटकर ले गए थे।

जानकारी जुटाई जा रही है। डॉग स्कॉड भी मौके पर पहुंचा है। मामले में केस दर्ज कर लिया है।

आवारा घुमते कुत्तों से बना है गोपालगंज के लोगों को खतरा



कुत्तों को पकड़ने के लिए निगमायुक्त को दिया आवेदन

सागर। दोहपर मेट्रो

आवारा कुत्तों को लेकर शहर के गोपालगंज क्षेत्र वासियों ने आवारा कुत्तों से लोगों की जान को खतरा बता कर कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नाम एक आवेदन निगमायुक्त को दिया है। आवेदन में कहा गया है कि श्रीराम कालोनी गोपालगंज वार्ड में आवारा कुत्तों की भरमार से वार्ड में निवास करने वाले वृद्ध महिला, पुरुष तथा बच्चों को जान का खतरा सदैव बना रहता है।

वार्ड में एक प्राइवेट स्कूल संचालित है, जिसमें हजारों छात्र पढ़ते

है जिन्हें आने जाने में डर एवं भय बना रहता है। पूर्व में इन कुत्तों का हमला भी लोगों पर हो चुका है। ऐसी स्थितियों से नागरिकों में भय व्याप्त है। आवेदन पत्र में अनुरोध किया गया है कि आवारा कुत्तों को पकड़ कर अन्यत्र छोड़ा जाए। आवेदन देने वालों में नितिन अग्निहोत्री, तखत सिंह ठाकुर, सोनी दीक्षित, हरराम लोधी, अभिषेक गौतम जितेन्द्र जैन व अन्य वार्डवासी शामिल थे। बहरहाल आवारा कुत्तों की समस्या कमोवेश शहर के अन्य इलाकों में पसरी हुई है। घनी आबादी वाले क्षेत्र बड़ा बाजार,कटरा, लक्ष्मीपुरा, शनिचरी, शुक्रवारी,तहसीली आदि में आवारा कुत्तों के झुंड के झुंड लोगो के लिए मुसीबत बने हुए हैं। जिला अस्पताल में एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए लंबी कतार रोज लग रही है।

किचन में मिला महिला का खून से सना शव

सागर। दोहपर मेट्रो

शहर में एक महिला का खून से लतफथ शव घर के किचन में मिला। हत्या की इस वारदात की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। घटना गोपालगंज थाना क्षेत्र के नाखरे वाली गली में हुई। घटना के बाद से महिला का छोटा बेटा घर से गायब है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है और बेटे की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार नाखरे वाली गली में शुक्रवार शाम 46 वर्षीय साधना सिंह पत्नी नारायण सिंह ठाकुर

घर से गायब है छोटा बेटा, तलाश जारी

पुलिस के मुताबिक, साधना के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा प्रशांत चेन्नई में नौकरी करता है और शुक्रवार को ही वापस गया था। छोटा बेटा अजय पीथमपुर में काम करता है और एक महीने से छुट्टी पर घर आया हुआ था। घटना के बाद से वह गायब है और उसका फोन भी बंद है। सीएसपी ललित कश्यप ने बताया कि महिला की हत्या हत्या हुई है। छोटा बेटा संदेही है उसकी तलाश की जा रही है।

का शव घर के किचन से मिला। महिला खून से लथपथ अवस्था में पड़ी थी। चेहरे पर चोट के निशान थे और फिर, कान व नाक से खून बह रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया है। पति नारायण सिंह ने बताया कि दोपहर में पत्नी का छोटे बेटे अजय सिंह से किसी

अहिल्या बाई होलकर की पुण्यतिथि पर निकाली पालकी यात्रा

महेश्वर। अहिल्या उत्सव आयोजन समिति द्वारा पालकी यात्रा निकालकर अहिल्या उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह राजवाड़ा परिसर से पालकी यात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए देवी अहिल्या बस स्टैंड पहुंची जहां पर मातोश्री अहिल्याबाई होलकर की पाषाण प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माता के जय घोष एवं गुणगान के साथ पालकी यात्रा प्रारंभ हुई जो विजय स्तंभ चौराहा, शीतला माता चौक, गांधी चौक होते हुए पुनः राजवाड़ा पहुंची जहां पर देवी अहिल्याबाई होलकर के न्यायिक स्थान राजगढ़ी पर उनका पूजन अर्चन कर मिष्ठान का वितरण किया गया। आयोजन के बाद बच्चों के तीन दिवसीय विभिन्न आयोजन के पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



मेट्रो एंकर प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के 101 वें जन्मदिवस पर उनके गाँव जमानी में विचार गोष्ठी

सभी एक सुर में बोले - परसाई जी की लेखनी आज भी है प्रासंगिक

इटारसी। दोपहर मेट्रो

प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के 101वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके गृहग्राम जमानी में एक विचार गोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हरिशंकर परसाई जन्मोत्सव समिति और कांग्रेस विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में देश भर से साहित्यकार, राजनेता, रंगकर्मी और आम जनता शामिल हुई। कार्यक्रम के सूत्रधार हेमंत दुबे ने सर्वप्रथम कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी और अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जबलपुर के विवेचनार मंडल द्वारा हरिशंकर परसाई के प्रसिद्ध व्यंग्यों पर आधारित नाटक निठल्ले की डायरी का



कार्यक्रम में नाटक निठल्ले की डायरी का मंचन किया गया।

मंचन था। इस नाटक ने राजनीतिक और सामाजिक कुरीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करीब डेढ़ घंटे चले इस मंचन में कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को कुर्सियों पर बांधे रखा। कार्यक्रम में प्रोफेसर केएस उप्पल, सूत्रधार हेमंत दुबे का भी सम्मान किया गया। संचालन समाजवादी चिंतक गोपाल राठी ने

अभिनेता नवीन चौबे को हरिशंकर परसाई सम्मान

इस वर्ष का हरिशंकर परसाई सम्मान वरिष्ठ रंगकर्मी और अभिनेता नवीन चौबे को प्रदान किया गया। नाटक निठल्ले की डायरी में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रसिद्ध नवीन चौबे ने इस नाटक के अब तक एक हजार से अधिक मंचन किए हैं। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने परसाई जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार साझा किए। गुरदीप सिंह सपताल ने कहा कि आज के समय में जब धर्म के नाम पर लोगों को उलझाया जा रहा है, तब परसाई की लेखनी और भी प्रासंगिक हो गई है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज परसाई जी ऐसा लिखते तो शायद उन्हें जेल जाना पड़ता। परसाई ने अपने लेखन में जिस समाज की कल्पना की थी, आज हम उसी समाज में जी रहे हैं, जहां तर्क खत्म हो चुके हैं और भीड़ तैयार हो रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिरोंज जिला विदिशा (मप्र)

क्रमांक/निविदा/25/1933

सिरोंज दिनांक 21/8/25

ई-टेंडर आमंत्रण द्वितीय सूचना

नगर पालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रु	ऑनलाइन निविदा का प्रपत्र मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6
2025_UAD_446321_1	वार्ड 02 नवीन सब्जी मण्डी में टीनशेड दुकान निर्माण	3857541/-	29000/-	5000/-	06 माह

शर्त - टेंडर डाक्यूमेंट के आधार पर निर्धारित सभी कर एवं शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. कटौत किया जावेगा।

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तें एवं जानकारी <https://mptenders.gov.in> एवं नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा के स्टोर शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिरोंज

विधायक के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए मीटिंग हॉल में, सदस्य ने की आपत्ति सत्कार की भेंट चढ़ी जनपद पंचायत की मीटिंग विधायक बोले-दया के पात्र नहीं हैं जनप्रतिनिधि

रोहित शर्मा, सिरोंजा।
जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक सामान्य चर्चा के बजाय विधायक के स्वागत-सत्कार की भेंट चढ़ गई। बैठक में एक स्थिति ऐसी भी आई जब जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव काफी देर तक तक अपने साथी सदस्यों के साथ सभागार में मौन ही बैठे रही। इसकी वजह थी विधायक बैठक छोड़कर जनपद उपाध्यक्ष शशि शर्मा के कक्ष में चले गए थे। यहां भी उनके स्वागत सत्कार की प्रक्रिया चलती रही। जनपद सीईओ आशीष अग्रवाल के साथ ही जनपद अध्यक्ष पति हमीरसिंह यादव, उपाध्यक्ष पति राकेश शर्मा भी उनके साथ हो गए। करीब 15 मिनट तक वे उपाध्यक्ष के कक्ष में बैठे रहे और इस बीच सामान्य सभा परिसर में अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव के साथ ही अन्य जनपद सदस्य मौन बैठे दिखाई दिए। जब विधायक वापस लौट गए तो सीईओ सभा कक्ष में आए और विषयों पर चर्चा शुरू हुई।



बैठक खास से आम हो गई: पूर्व में आयोजित हुई जनपद की सामान्य सभा की बैठकों में सीईओ द्वारा जनपद सदस्यों के पति और परिजनों तक की एंट्री बंद कर दी गई थी। वे कक्ष से बाहर ही बैठे रहते थे। इस बार जब विधायक बैठक में पहुंचे तो प्रतिनिधियों के साथ ही अनेक भाजपा कार्यकर्ता भी सभागार में पहुंच गए। जनपद सदस्य आफरिन बी ने इस पर आपत्ति जताते हुए विधायक से कहा कि आपके आने से यह बैठक खास से आम हो गई। अभी तक हमारे प्रतिनिधि भी नहीं बैठ पाते थे लेकिन आज यहां वे लोग भी बैठे हैं, जो इसके पात्र नहीं हैं।

मांगी जानकारी: बैठक में जनपद सदस्य रशीदा बी कदीर खान ने आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी जानकारी सीईओ से मांगी। उनका कहना था कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन और पोषण आहार वितरण की व्यवस्था को लेकर कोई गंभीर नहीं है। जानकारी मांगों को तो कोई बताते को भी तैयार नहीं। इस कारण पत्र देकर सीईओ से ही सामान्य जानकारी मांगी है। उन्होंने अपने पत्र में केंद्रों के संचालन का समय, स्टॉफ की संख्या और प्रदान किए जाने वाले भोजन संबंधी जानकारी मांगी है।



योजना को पलीता लगा रहे हैं विभाग

बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इसमें जलनिगम और पीएचई द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर विधायक संप्रे ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही विभाग योजना को पलीता लगा रहे हैं। पहले टंकी बना दी और अब इसके बाद बोर उत्खनन किया जा रहा है। उन्होंने बैठक में मौजूद प्रशासनिक अमले को चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधि दया के पात्र नहीं हैं। जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है। आपको उनकी बात सुनना ही चाहिए। मेरे पास उनकी तरफ से कोई शिकायत नहीं आना चाहिए। बैठक में विधायक के आने की जानकारी होने के बाद भी कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी नदारद दिखाई दिए। जनपद के एई और अन्य इंजीनियर ही नहीं आए।

पीएम आवास कार्य में बाधा डालने वालों की होगी पुलिस शिकायत

इटारसी। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी घटक अंतर्गत न्यास कॉलोनी, इटारसी में बन रहे आवासों के निर्माण कार्य में कुछ स्थानीय निवासियों द्वारा बाधा डालने का मामला सामने आया है। नगर पालिका अधिकारियों को इसकी सूचना मिलने पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों को समझाया।

न्यास कॉलोनी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल 84 नए आवासों का निर्माण किया जा रहा है। यहां पहले से भी इसी योजना के अंतर्गत 16 आवास बनाए जा चुके हैं। कुछ स्थानीय निवासी निर्माण स्थल पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर और बाउंड्रीवॉल तोड़कर ठेकेदार को काम करने से रोक रहे थे। इसकी सूचना मिलने के बाद, नगर पालिका की मुख्य नगरपालिका अधिकारी रितु मेहरा, सहायक यंत्री मीनाक्षी चौधरी, और उपयंत्री सोनाली अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर उन लोगों से बात की, जो काम में बाधा डाल रहे थे। अधिकारियों ने पाया कि काम में बाधा डालने वाले ये वही लोग हैं, जिन्होंने खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया



था। नगर पालिका ने पहले ही कॉलोनी के एक तरफ सड़क बनाकर दी है, लेकिन अब ये लोग अतिक्रमण वाली जगह पर भी सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं।

जब समझाइश से बात नहीं बनी, तो सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सरकारी काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। इस चेतावनी

के बाद ही लोग माने और उन्होंने काम में बाधा डालना बंद किया। नगर पालिका ने इस मामले को गंभीरता से लिया है, खासकर बाउंड्रीवॉल तोड़े जाने की घटना को। नगर पालिका ने टीआई के नाम एक आवेदन तैयार कर पुलिस को देने की तैयारी कर ली है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों और सरकारी काम बिना किसी बाधा के पूरा हो सके।

नदी में युवक युवती के शव चुनरी से बंधे मिले

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के भेड़ाघाट इलाके में नदी में युवक युवती के शव चुनरी से बंधे मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नदी से बाहर निकलवाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सनसनीखेज ये मामला उस जबलपुर के भेड़ाघाट के पास गोपालपुर के पास नदी किनारे का है। यहीं से युवक-युवती के शव मिले हैं। दोनों के शव चुनरी से बंधे हुए थे। ग्रामीणों की सूचना पर भेड़ाघाट थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकाला। पुलिस के मुताबिक दोनों मृतकों की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में गुमशुदगी की जानकारी भी खंगाली जा रही है।

वीडियो वायरल बैतूल न्यायालय परिसर में पति-पत्नी के बीच मारपीट

बैतूल। दोपहर मेट्रो
जिला न्यायालय में एक पति-पत्नी के बीच विवाद मारपीट तक पहुंच गया। वे तलाक केस की पेशी पर आए थे। आईटीबीपी में पदस्थ जवान शिवपाल उड्डेक अपनी पत्नी पर दूट पड़ा। उसने पत्नी को सड़क पर लात-घूसों से पीटा, मोबाइल छीना और बाल पकड़कर घसीटा। कोर्ट परिसर में तैनात पुलिसकर्मी ने जब बीच बचाव करने की कोशिश की तो जवान ने उसे भी मारा। यह नजारा देख, मौके पर मौजूद वकील और अन्य कर्मचारी भड़क उठे और गुस्से में जवान की पिटाई कर दी। पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह महेंद्रवाड़ी ग्राम पंचायत में मोबिलाइजर के पद पर कार्यरत है। वह तलाक केस की पेशी पर कोर्ट आई थी। पेशी के बाद बाहर निकलते ही पति ने गाली-गलौच शुरू कर दी। उसने उसका मोबाइल छीन लिया और जमीन पर गिराकर बुरी तरह से पीटा। झूमाझटकी में सोने की बाली और मंगलसूत्र गायब हो गया। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

20 हजार की अवैध शराब और भट्टी नष्ट



उमरावगंज/ ओबेदुल्लागंज। थाना उमरावगंज पुलिस ने ग्राम पहाड़खेड़ी के जंगल में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि जंगल में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने के लिए भारी मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई है। थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 2000 लीटर महुआ लहान एवं शराब बनाने की भट्टी को मौके पर नष्ट कर दिया। नष्ट की गई अवैध शराब की अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार रूपए आंकी गई है। इस कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल सुनील पाठरिया एवं कॉन्स्टेबल बलवान सिंह सहित पुलिस बल मौजूद रहा। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध शराब बनाने एवं बेचने वालों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

एसडीएम ने खेतों में फसलों की जांच की

गंजबासोदा। गिरदावरी सत्यापन का कार्य जारी है। एसडीएम व तहसीलदार खेतों में पहुंचकर सारा एप के माध्यम से गिरदावरी कार्यों का मौका मुआयना व सत्यापन कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही उक्त कार्यों की जानकारी सारा एप में भी दर्ज की जा रही है। एसडीएम विजय राय ने गिरदावरी के तहत सोयाबीन और मक्का की फसलों के खेतों में पहुंचकर सारा एप के माध्यम से वास्तविक गिरदावरी का सत्यापन करते हुए जानकारीयें दर्ज की हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम कंजना हलका नम्बर 39 में कृषक प्रकाश दांगी का खसरा नम्बर 56 में सोयाबीन फसल का तथा धनसिंह सिलावल के खसरा नम्बर 27/4 में मक्का फसल की गिरदावरी की है। वर्तमान में डिजिटल क्रांप सर्वेक्षण फसल गिरदावरी का कार्य स्थानीय युवाओं एवं पटवारियों द्वारा पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉगिन कर पार्सल लेवल जियो फेंस (संबंधित खसरे की सीमा) में जाकर डाटा ऑनलाइन अपलोड कर किया जा रहा है। तहसीलों में सर्वेयर तथा पटवारियों द्वारा किए गए गिरदावरी कार्य का भौतिक सत्यापनका कार्य राजस्व अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।



झांकी चौक की सड़क का काम शुरू

सिरोंज। वार्ड क्रमांक दो की पार्षद रीना सचिन शर्मा के प्रयासों से सुभाष नगर स्थित प्रजापति मोहल्ले के चौक के सीसीकरण रियुजुल कोड का काम प्रारंभ हुआ। इस चौक में स्थानीय नागरिकों द्वारा गणेश जी एवं दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापित कर कलात्मक झांकियां भी पुराने समय से लगाई जाती हैं। वर्तमान में यह चौक जीर्ण शीर्ण हो गया था तथा उक्त चौक की पक्की सीसी सड़क बनाने की मांग स्थानीय नागरिकों द्वारा लंबे समय से से की जा रही थी। पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने विधायक उमाकांत शर्मा को नागरिकों की पीड़ा से अवगत कराते हुए आने वाले त्योहारों से पूर्व इस चौक के सीसीकरण करवाने का निवेदन किया था। जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए विधायक शर्मा ने नपाध्यक्ष एवं सीएमओ को निर्देश दिए थे। काम की गुणवत्ता को देखने के लिए नपाध्यक्ष मममोहन साहू तथा सचिन शर्मा ने नया सीएमओ के साथ निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर स्थानीय रहवासी सुदर्शन पाटीदार,सालाकराम प्रजापति,ब्रजेश प्रजापति,उमेश पटेल,दिलीप ठाकुर,जितेंद्र प्रजापति,रामबाबू प्रजापति, मनोज प्रजापति ने विधायक उमाकांत शर्मा सहित पार्षद एवं परिषद का आभार भी व्यक्त किया है।



जमनिया में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

बुरहानपुर/खरगोन। जनहित की भावना को सर्वोपरि रखते हुए ऑल इज् वेल हॉस्पिटल, बुरहानपुर द्वारा ग्राम जमनिया, जिला खरगोन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 30 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विशाल पाटीदारएवं डॉ. संजय बिरला ने मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु परामर्श दिया एवं मरीजों का निःशुल्क जनरल चेकअप व ब्लड प्रेशर जाँच की। डॉक्टरों ने इस मौसम में होने वाले मौसमी विकारों से सावधान रहने और स्वयं को सुरक्षित रखने की सलाह दी। यह शिविर कबीर चौकसे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच रायमल आलावे, सचिव शिवमंगल कुशवाहा, उपसरपंच अमर सिंह राठौड़, समाजसेवी पिंटू राठौड़ एवं सभी ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।



विदिशा में पुस्तक मेला 29 तक चलेगा

विदिशा। जिले में इस तरह का पहला पुस्तक मेला है, जिसमें देश के लगभग 50 प्रकाशक अपनी पुस्तकों का स्टाल ऑडिटरियम में लगा रहे हैं। मेले में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। स्कूल के बच्चों के लिए प्रतिदिन बाल गतिविधि प्रातः 10 बजे से 10.45 बजे तक प्राथमिक व 11 बजे से 11.45 बजे तक माध्यमिक विद्यालय के लिए आयोजित की जाएगी। जिसमें रचनात्मक व कलात्मक गतिविधियां होंगी। प्रतिदिन सांय 5 बजे से 8 बजे तक सांस्कृतिक संध्या होगी जिसमें देशभक्ति गान, बच्चों के लिए क्विज, वाद विवाद, साहित्यिक परिचर्चा विदिशा के पुरातत्व सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर आयोजित की जाएगी। विदिशा के स्थानीय साहित्यकार और प्रबुद्धजन अपने विचार रखेंगे। इस पुस्तक मेले में स्थानीय लेखकों को बढ़ावा देने के लिए भी एक स्टाल अर्थारिटी ऑफ विदिशा का भी लगाया जा रहा है। मेले में पाठकों को उनकी रुचि की किताब मिलने के साथ ही विदिशा के गौरवशाली इतिहास को जानने का भी अवसर मिलेगा।

मेट्रो एंकर देर रात से ही पहुंचने लगे थे लोग, नव ग्रह शनि मंदिर को फूलों से सजाया

शनिचरी अमावस्या: शिप्रा के त्रिवेणी घाट पर आज श्रद्धालुओं का सैलाब, दान-पुण्य से कमा रहे धर्मलाभ

उज्जैन। एजेंसी

शनिचरी अमावस्या पर शनिवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालु शिप्रा में डुबकी लगाने पहुंचे। घाट पर लगे फव्वारों में स्नान किया। इसके बाद शनि मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन व दान-पुण्य किया। अमावस्या पर देर रात से ही श्रद्धालुओं का घाट पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। प्रशासन ने घाट पर बैरिकेड्स लगाए थे और फव्वारों की व्यवस्था की थी। श्रद्धालुओं ने इन फव्वारों में ही स्नान किया। उज्जैन में शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर लोग रात 12 बजे के बाद से ही पहुंचने लगे थे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने शनि देव और नवग्रह का पूजन किया। शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। शनिचरी



अमावस्या पर नव ग्रह शनि मंदिर को फूलों से सजाया गया है। शनि महाराज को राजा के रूप में पगड़ी पहनाकर आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में अपने पुराने वस्त्र व जूते-चप्पल आदि दान किए। प्रशासन इन सामग्रियों को एकत्र कर नीलामी करवाएगा।

शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म भी

शनि मंदिर के पंडित जितेंद्र बैरागी ने बताया कि देर रात 12 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आना शुरू हो गई थी। अमावस्या पर पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म भी किया जाता है। इस दिन सनान और दान का भी विशेष महत्व होता है। शनिवार को अमावस्या तिथि पड़ने के कारण शनि देव की पूजा करने से विशेष शांति मिलती है। शनि मंदिर में अमावस्या का अपना महत्व है। यहां श्रद्धालु डुबकी लगाकर मंदिर के कलह दशन करते करते हैं। इसके बाद पनौती के रूप में अपने कपड़े और जूते-चप्पल यहीं छोड़ जाते हैं। जिन लोगों पर शनि की साढ़े साती चल रही हो या पितृ दोष, कालसर्प योग, अशुभ ग्रह योग सहित अन्य कर्तिनाइयां हों, उन्हें इस दिन शनिदेव की पूजा से विशेष लाभ मिलता है। इस दिन सरसों का तेल अर्पित करें, शनि मंत्र का जप करें और काले तिल, उड़द, लोह व तेल का दान करें।

बीसीसीआई ने जारी किया नया शेड्यूल, भगदड़ से लिया सबक

चिन्नास्वामी स्टेडियम से छीनी गई वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली , एजेंसी

आईसीसी ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की है। अब इस वर्ल्ड कप के दौरान बेंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुकाबले नहीं खेले जाएंगे। एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैचों को अब नवी मुंबई में शिफ्ट कर दिया गया है। नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में अधिकतम पांच मैच खेले जाएंगे।

इनमें तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल और संभवतः 2 नवंबर को महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण का खिताबी मुकाबला भी

शामिल है। अगर फाइनल में पाकिस्तानी टीम पहुंचती है तो ही मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदास स्टेडियम में होगा। बता दें कि बेंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम को अनसेफ घोषित किया गया था।

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का आयोजन 30 सितरं से 2 नवंबर तक भारत और श्रीलंका में किया जाना है। डीवाई पाटिल स्टेडियम के अलावा एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर। प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) में मुकाबले खेले जाएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स



बेंगलुरु (आरसीबी) की खिताबी जीत के बाद एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में विकट्री पेरेड हुई थी। इस विकट्री पेरेड के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे। साथ ही 50

से ज्यादा लोग इंजर्ड हुए थे। इस वाक्ये के बाद जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन हुआ, जिसने अपनी जांच में एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए

असुरक्षित माना।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह का मानना है कि नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप मैचों के लिए एक आदर्श वेन्यू है। उन्होंने कहा, %नवी मुंबई हालिया सालों में महिला क्रिकेट के लिए एक शानदार वेन्यू बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय मैचों और महिला प्रीमियर लीग के दौरान इसे जो समर्थन मिला है, वह उल्लेखनीय है। इसके चलते खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा है और फैन्स को प्रेरणा मिली है। मुझे यकीन है 12 साल बाद भारत में होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप के मैचों के दौरान भी यही एनर्जी देखने को मिलेगी।

पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा। जबकि दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में खेला जाएगा। जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 2 नवंबर को कोलंबो या नवी मुंबई में होगा। यदि पाकिस्तानी टीम अंतिम-4 के लिए क्वालिफाई कर लेती है तो वो पहला सेमीफाइनल कोलंबो में खेलेगी। यदि पाकिस्तानी टीम फाइनल में पहुंचती है, तो खिताबी मुकाबला भी कोलंबो में ही होगा। अगर भारत और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल मुकाबला होता है, तो कोलंबो में पहला सेमीफाइनल होगा। अगर पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाती है, तो सभी नॉकआउट मैच भारत में होंगे।

अब ड्रीम 11 भी अपना बोरिया बिस्तर समेटने की कर रही तैयारी

अजीब इत्तेफाक: टीम इंडिया की जर्सी पर दिखीं जो कंपनियां, अब वही हो रहीं साफ!

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पर जगह पाना किसी भी कंपनी के लिए गर्व और प्रतिष्ठा की बात होती है। मगर अजीब इत्तेफाक ये है कि 21वीं सदी में जिन कंपनियों ने टीम इंडिया की जर्सी की मुख्य स्पॉनसरशिप हासिल की, वे किसी कानूनी या वित्तीय विवाद में फंसीं। साथ ही वो कंपनी अर्श से फर्श पर भी आई। अब इसमें नया नाम ड्रीम 11 का जुड़ चुका है। ऑनलाइन गेमिंग बिल के संसद से पारित होने के बाद ड्रीम 11 भी अपना बोरिया बिस्तर समेटने की तैयारी कर रहा है।

बता दें कि 21 अगस्तको प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 राज्यसभा से पास हो गया था। लोकसभा में यह बिल पहले ही पास हो चुका था, ऐसे में अब राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद ये बिल कानून का रूप ले लेगा। इस बिल में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी गेमिंग ऐप जिसमें पैसे का लेन-देन होता हो, उस पर पूर्ण प्रतिबंध लगेगा। इसमें किस्मत आधारित और स्किल आधारित गेम भी शामिल हैं। चूंकि ड्रीम 11 भी स्किल-बेस्ड कैटेगरी में आता है। ऐसे में बिल के कानून बनते ही ड्रीम 11 के मौजूदा ऑपरेशंस भारत में पूरी तरह बंद हो जाएंगे। ड्रीम 11 से पहले बायजू, ओपो, स्टार इंडिया और सहारा ने बीसीसीआई के साथ करार किया था, लेकिन इन सभी का सफर मुश्किलों भरा रहा।



लंबे समय तक सहारा जुड़ा रहा टीम इंडिया से

सहारा 2001-2013 : पहले बात सहारा की करते हैं, भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पर सबसे लंबे समय तक अगर किसी ब्रांड का नाम जुड़ा रहा, तो वह था सहारा ग्रुप का। 12 सालों तक सहारा भारतीय टीम की जर्सी का मुख्य स्पॉन्सर रहा। इस दौरान भारतीय टीम 2003 के वर्ल्ड कप फाइनल में हारी, वही टी20 वर्ल्ड 2007 और वनडे वर्ल्ड कप 2011 की वो विजेता बनी। टीम इंडिया के साथ इतनी लंबी साझेदारी के बावजूद सहारा का कारोबार धीरे-धीरे डगमगाने लगा। सहारा ग्रुप ने अपने दो हाउसिंग बॉन्ड्स के जरिए निवेशकों से लगभग 24,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। हालांकि राइट्स भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड का मानना था कि यह पैसा गलत तरीके से और नियमों का उल्लंघन करते हुए जुटाया गया। 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा को यह पूरा पैसा निवेशकों को वापस करने का आदेश देते हुए इसे राइट्स के पास जमा करने के लिए कहा। सहारा ने कोर्ट के आदेशों का पालन ठीक से नहीं किया। 2014 में ग्रुप के चेयरमैन सुब्रत रॉय को गिरफ्तार कर लिया गया। 2023 में सुब्रत रॉय का निधन हो गया, मगर अभी तक निवेशकों को पैसे की वापसी की प्रक्रिया जारी है।

सहारा के बाद स्टार इंडिया से हुई थी डील

स्टार इंडिया 2014-2017 : सहारा के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड स्टार इंडिया के साथ डील किया। 2014-17 का वो दौर विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए काफी खास था और उन्होंने इस पीरियड में रनों का अबार लगाया। हालांकि इसी बीच स्टार इंडिया की मुश्किलें बढ़ती गईं। वॉल्ट डिजनी के स्वामित्व वाले स्टार पर मार्केट डोमिनंस के दुरुपयोग का आरोप लगा। आगे चलकर इस कंपनी की पकड़ कमजोर होती गई और इसे जियो के साथ मर्जर करना पड़ा। ओपो 2017-2020 : चीनी कंपनी ओपो ने बीसीसीआई के साथ 1079 करोड़ रुपये का भारी-भरकम सौदा किया, जो पांच सालों के लिए था। हालांकि ओपो को उम्मीद के मुताबिक फायदा नहीं हुआ और स्पॉन्सरशिप का खर्च कंपनी को भारी पड़ने लगा। इस दौरान नोकियाऔर इंटर डिजिटल के साथ पेटेंट विवादों ने कंपनी की मुश्किलें और बढ़ा दी थीं। नतीजा ये हुआ कि ओपो ने ये करार बीच में ही तोड़ दिया।

ड्रीम 11 पर 1200 करोड़ की जीएसटी चोरी का आरोप

2021-22 में ड्रीम 11 पर 1200 करोड़ रुपये की जीएसटी टैक्स चोरी का आरोप लगा। इस विवाद ने ड्रीम 11 की छवि और भरोसे पर गहरा असर डाला। अब नया ऑनलाइन गेमिंग बिल इसके बिजनेस मॉडल पर सीधा प्रहार है। इससे न सिर्फ कंपनी की कमाई पर असर पड़ेगा, बल्कि टीम इंडिया की जर्सी से इसका नाम भी हट सकता है। देखा जाए तो ड्रीम 11 की मौजूदा वैल्यू करीब 8 अरब डॉलर है और यह भारत की 3।8 बिलियन डॉलर की गेमिंग इंडस्ट्री में सबसे बड़ा खिलाड़ी है। लेकिन अगर यह मॉडल बंद होता है, तो कंपनी अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा खो देगी। फिर बीसीसीआई के साथ की गई 358 करोड़ रुपये की डील को निभाना मुश्किल होगा। बीसीसीआई के इन स्पॉन्सरों की कहानी कुछ वैसी ही है जैसे बॉलीवुड के सुपरस्टार्स की। पहले शाहरुख, सलमान, आमिर की फिल्म लगभग हिट हो जाती थी। लेकिन अब उनकी कई फिल्में फ्लॉप हुईं। जैसे- टायगर ऑफ हिंदोस्तान, लाल सिंह चड्ढा, टयूबलाइट, किसी का भाई किसी की जान। सुपरस्टार होने से लोकप्रियता मिलती है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना



टाइगर -हरनाज का गाना 'बाली सोणी' रिलीज, डांस करने हो जाएंगे मजबूर

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग मूवी बागी-4 का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें टाइगर श्रॉफ का खूंखार अवतार देखने को मिला था। अब 'बागी-4' का दूसरा गाना 'बाली सोणी' रिलीज हो चुका है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू की कमल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों ने इसमें बहुत ही शानदार डांस भी किया। 'बाली सोणी' गाने को बादशाह, मणि मोदगुल और निकिता गांधी ने गाया है। इसके बोल बादशाह और मणि मोदगुल ने लिखे हैं। गाने का संगीत भी इन्होंने ही दिया है। इसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

'बागी-4' के पहले गाने गुजाय के बाद इस गाने को भी लोग काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट बॉक्स में हरनाज और टाइगर श्रॉफ की जमकर तारीफ कर रहे हैं। ये एक पार्टी सॉन्ग है जो आने वाले समय में डीजे और पार्टियों में सुनाई देगा। इस गाने को फेमस कोरियोग्राफर फरहा खान ने कोरियोग्राफ किया है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें टाइगर श्रॉफ के साथ संजय दत्त का भी खूंखार अवतार देखने को मिला था। इसमें काफी खून-खराबा देखने को मिल रहा था। फिल्म में टाइगर अपने प्यार की खातिर पूरी दुनिया से भिड़ते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में हरनाज संधू टाइगर श्रॉफ यानी रॉनी की प्रेमिका के रोल में दिखाई देंगी।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । इंडियन डिजिटल गेमिंग सोसाइटी ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के पारित होने का स्वागत किया और इसे भारत के डिजिटल भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण और ग्लोबल गेमिंग इकोनॉमी के निर्माण के लिए कैटलिस्ट बताया। आईडीजीएस भारत के डिजिटल गेमिंग इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व करने

ऑनलाइन गेमिंग बिल भारत के डिजिटल भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण

वाला शीर्ष उद्योग निकाय है। आईडीजीएस के अध्यक्ष राजन नवानी ने कहा, इस बिल का पारित होना केवल अनुपालन के बारे में नहीं है। यह भारत के डिजिटल भविष्य के लिए एक नया अध्याय शुरू करने के बारे में है। नियामक स्पष्टता के साथ, अब हमारे पास एक विकासोन्मुख, इनोवेशन-ड्रिवन गेमिंग अर्थव्यवस्था बनाने का अवसर है, जो भारत को एक सच्ची ग्लोबल गेमिंग सुपरपावर बनने की दिशा में आगे बढ़ा सकती है। नवानी

ने कहा कि बिल में ई-स्पोर्ट्स, सोशल और शैक्षिक गेमिंग के बीच का अंतर भारत के लिए प्रतिभाओं में निवेश करने, विश्व स्तरीय सामग्री बनाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त करता है। अपनी युवा, तकनीक-प्रेमी आबादी और फलते-फूलते डेवलपर इकोसिस्टम के साथ भारत ऐसे खेलों का निर्माता बनने की अच्छी स्थिति में है जो वैश्विक स्तर पर गुंजते हैं। आईडीजीएस ऐसे भविष्य की कल्पना करता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 695.11 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 695.11 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को दी गई। इससे पहले 8 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.75 अरब डॉलर बढ़कर 693.62 अरब डॉलर हो गया है, जो दिखाता है कि देश की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपए को तेजी से गिरने से रोकने और उसकी अस्थिरता को कम करने के लिए ज्यादा डॉलर जारी करके हाजिर और अग्रिम मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है। आरबीआई के डेटा के अनुसार, समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा के अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियों की वैल्यू 1.92

अरब डॉलर बढ़कर 585.9 अरब डॉलर हो गई है। विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-राजनीतिक इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है। विदेशी मुद्रा भंडार के एक और अहम घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 85.67 अरब डॉलर रही है। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से लगभग दोगुना कर लिया है। 15 अगस्त को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में विशेष आहरण अधिकार की वैल्यू 18.78 अरब डॉलर थी।



अभिनेत्री अनन्या पांडे का मानना है कि लगातार लोगों की नजरों में रहना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अपने चाहने वालों और लगातार काम पर ध्यान केंद्रित करने से वे संतुलन बनाए रखती हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि उनका आत्मविश्वास खुद को परफेक्ट होना जरूरी नहीं है—कभी-कभी गलतियां भी ठीक होती हैं।

जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी

जब अनन्या से पूछा कि वह लगातार लोगों की नजरों के बीच अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को कैसे बनाए रखती हैं, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, यह हमेशा आसान नहीं होता। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब बातें आपको बहुत परेशान करने लगती हैं। समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया है कि जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी है।

अनन्या ने बताया, मैं जमीन से जुड़ी रहने की कोशिश करती हूं और खुद को याद दिलाती हूँ कि परफेक्ट न होना भी ठीक है। आत्मविश्वास तब आता है जब आप अपने अच्छे और खुरे दोनों में खुद को स्वीकार करते हैं। जैसा कि कहा जाता है, कोई भी परफेक्ट नहीं होता। अनन्या ने हाल ही में एयरबीएनबी के लिए एक खास

अनुभव की मेजबानी की, जिसमें उनकी ए-टीम ने हिस्सा लिया। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है, लेकिन मेरे लिए इसमें सबसे खास बात यह है कि यहां पर मेहमानों के अंदर आत्मविश्वास में बदलाव देखना। यह उनके लुक को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके असल रूप को सेलिब्रेट करने के बारे में है। स्लैम सेशन के बाद, सभी के साथ समय बिताना, हंसी-मजाक, और मजेदार सेल्फी लेना इसे और भी यादगार बनाता है। अनन्या की आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कार्तिक आर्यन, जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कार्तिक और अनन्या इससे पहले 2019 में पति, पत्नी और वो में साथ नजर आ चुके हैं। करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है।



आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मोबाइल किया जब्त

बाथरूम में नहा रही महिला का वीडियो बनाया, छेड़छाड़ का मामला दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली महिला के पड़ोसी द्वारा नहाते समय उसका वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। हालांकि महिला के परिवार ने जब पड़ोसी का मोबाइल चेक किया तो उसमें वीडियो नहीं मिला। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस मोबाइल की जांच कर रही है।



नजर पड़ी तो ऊपर खिड़की के पास रवि चंद्रवंशी खड़ा था और उसके हाथ में मोबाइल था। संभवतः वह मोबाइल में वीडियो बना रहा था। उसने शोर मचाया तो वह खिड़की से अलग हट गया। ननद को उसने रवि के कमरे में पहुंचाया और उससे मोबाइल लेकर आई। मोबाइल चेक किया गया। उसमें वीडियो नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी रवि चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसका मोबाइल जांच के लिए भेजा है।

स्टाफ नर्स से सहेली के लिव इन पार्टनर ने की छेड़छाड़

इधर शाहपुरा पुलिस ने निजी अस्पताल की स्टाफ नर्स की शिकायत पर सहेली के लिव इन पार्टनर पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। 23 साल की पीड़िता ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि वह हॉस्टल में रहती है। उसके साथ ड्यूटी करने वाली स्टाफ नर्स अपने बॉयफ्रेंड निक्की उर्फ निखिल के साथ अलग कमरा लेकर लिव इन रिलेशन में रह रही है। सहेली का बॉयफ्रेंड उससे मारपीट करता है। वह बॉयफ्रेंड से परेशान होकर चली गई। उसने बॉयफ्रेंड को बताया था कि अपनी सहेली के हॉस्टल पर जा रही हूं। पंद्रह अगस्त की रात में निक्की ने अपनी गर्लफ्रेंड को कॉल किया। उसने कॉल रिसीव नहीं किया। इस पर आरोपी ने पीड़िता को कॉल करना शुरू कर दिया। आरोपी ने उसे अश्लील मैसेज कर दिए। पीड़िता ने उसे ब्लॉक किया तो आरोपी उसके हॉस्टल पहुंच गया और वहां मैनेजर से कहकर आया कि उसे समझा देना नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा। मैनेजर ने पीड़िता को घटना की जानकारी दी और उसे लेकर थाने पहुंचा। वहां आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

वातालाप मीडिया वर्कशॉप का आयोजन बदलते डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा ही बड़ी चुनौती



दोहपर मेट्रो, भोपाल।

किसी भी व्यक्ति के साइबर अपराध का शिकार बनने के पीछे मुख्य रूप से डर, लालच या आलस्य में से ही कोई एक वजह होती है। थोड़ी-सी जागरूकता और सतर्कता रखने से साइबर धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। राजधानी के एक होटल में साइबर सुरक्षा विषय पर आधारित मीडिया वर्कशॉप वातालाप के दौरान विशेषज्ञों ने इस आशय के विचार व्यक्त किये।

पुलिस की साइबर क्राइम शाखा की एआईजी सारिका शुक्ला ने कहा कि बदलते डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा एक गंभीर चुनौती है और समाज के हर वर्ग को इसके लिए जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। साइबर ठगी की राशि का आंतकी गतिविधियों में उपयोग = पीआईबी भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने कहा कि डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड भी चिंताजनक स्तर तक बढ़े हैं। वर्ष 2022 से 2024 के दौरान भोपाल के नागरिकों को लगभग 104 करोड़ रुपये का नुकसान ऑनलाइन ठगी के माध्यम से हुआ, जिसमें से केवल 2 प्रतिशत राशि ही रिकवर हो पाई। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि का उपयोग आतंकी गतिविधियों में भी होता है, इसलिए इस विषय पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना बहुत जरूरी है। पीआईबी निदेशक मनीष गौतम ने कहा कि दैनिक जीवन में अधिकांश लोग किसी न किसी रूप में साइबर अपराध से प्रभावित होते हैं।

डर, आलस्य और लालच साइबर अपराध के मुख्य कारण

साइबर कमांडो अनुज समाधिया ने डिजिटल अरेस्ट एवं साइबर स्लेवरी विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि डर, आलस्य और लालच साइबर अपराध के मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भ्रामक संदेश पर प्रतिक्रिया करने से पहले ठहर कर उसकी वास्तविकता का विचार करना आवश्यक है। साइबर सुरक्षा प्रशिक्षक अतुल श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं एवं उनसे बचाव पर मार्गदर्शन किया।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया वाहन चोरी का खुलासा

चोरी की कार और ऑटो के साथ पकड़ाया निगरानी बदमाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी की गौतम नगर थाना पुलिस ने एक शांतिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की कार और आटो जब्त किया है। आरोपी टीला जमालपुरा थाने का निगरानी बदमाश बताया गया है। उसने गौतम नगर इलाके में आटो और कार चोरी की थी। पुलिस ने घटना के चौबीस घंटे के भीतर ही आरोपी को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार राजगढ़ कालोनी गौतम नगर में रहने वाले बन्ने खां (70) आटो चलाते हैं। बीती पंद्रह अगस्त को उनका आटो चोरी चला गया था। चोरी गए आटो की कीमत दो लाख सत्तर हजार रुपये बताई गई थी। इसी प्रकार सागर गैरे के पास शीतल हार्डवेयर गौतम नगर में रहने वाले मेहबूब खान (50) के घर के सामने खड़ी मारुति कार चोरी हो गई थी, जिसकी रिपोर्ट गुरुवार को दर्ज कराई गई थी। वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए आरोपियों की तलाश में पुलिस की एक विशेष टीम लगाई गई थी। पुलिस टीम ने मुखबिरों को सक्रिय करने के साथ ही इलाके में लगे करीब सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और उनका रूटमैप तैयार किया। उसके बाद संदेही रानू उर्फ मशरूर उर्फ गोल्डन (25) निवासी टीला जमालपुरा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने गौतम नगर इलाके से एक आटो और कार चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसके बाद पुलिस ने चोरी के दोनों वाहन उसकी निशानदेही पर जब्त कर लिए। आरोपी टीला जमालपुरा का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा अपराध दर्ज हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह ठाकुर, एसआई अरविंद जाट, एसएसआई जुवेर अहमद, हेड कांस्टेबल प्रवीण मेहरा, आरक्षक मो. शादाब, महावीर, राकेश ठाकुर, राहुल राजपूत और शतेन्द्र सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

बड़े तालाब में मिला युवक का शव



भोपाल। तलैया थाना क्षेत्र स्थित बड़े तालाब से शुक्रवार शाम एक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक के शरीर पर कपड़े नहीं मिले हैं। कपड़े नहीं होने से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिल सका, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मंचूरी भेज दिया है। पुलिस मृतक का हुलिया आसपास के थानों में भेजकर मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार वीआईपी रोड स्थित मंदिर के पास से अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है। उसकी उम्र करीब 40 साल के आसपास होगी। गोताखोर आसिफ शेख ने बताया कि शुक्रवार की शाम को आईटीएच के करीब मंदिर के पिछले हिस्से में तालाब के पानी में शव पड़ा देखा था। राहगीरों की सूचना पर पुलिस की मौजूदगी में शव बाहर निकाला गया। मृतक के शरीर पर कपड़े नहीं हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि तैरते समय डूबने से उसकी मौत हुई है।

अतिक्रमण हटाया



भोपाल. राजधानी के बोट क्लब पर नगर निगम ने आज अतिक्रमण हटाया ।

जहांगीराबाद पुलिस की कार्रवाई, लाल परेड मैदान और नीलम पार्क के पास से चोरी किए थे दो ई रिक्शे

ई रिक्शा चुराने वाले दो गिरफ्तार, दो रिक्शे बरामद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जहांगीराबाद पुलिस ने ई रिक्शा चुराने वाले दो चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के दो ई रिक्शे बरामद किए हैं। आरोपियों ने कमरा: लाल परेड मैदान और कमला पार्क के पास से दोनों ई रिक्शा चुराए थे। वे ई रिक्शा बेचने की फिराक में थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनसे चुराए गए दोनों ई रिक्शा बरामद कर लिए हैं।

पुलिस के अनुसार 12 अगस्त को सईद (58) बागफरहत अफजा ऐशबाग ने शिकायत करते हुए बताया कि उन्होंने अपना ई रिक्शा खराब होने के कारण लाल परेड ग्राउंड के सामने मजार के पास मुख्य सड़क किनारे जहांगीराबाद में खड़ा किया था। अगले ही दिन वह मजार के पास पहुंचे तो ई रिक्शा चोरी हो गया था। इसी प्रकार दो दिन बाद 14 अगस्त को नन्दू शर्मा (48) अहीर



मोहल्ला जहांगीराबाद का ई रिक्शा मस्जिद बादशाह बहू, नीलम पार्क के पास से किसी ने चुरा लिया था।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाए चोर

पुलिस ने ई रिक्शा चोरी की शिकायत दर्ज की। इसके बाद घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। करीब चालीस से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे चेक करने के बाद पुलिस ने संदिग्धों का फुटेज मुखबिर को दिखाया। फुटेज देखने के बाद मुखबिर की सूचना पर रमेश राजपूत (22) अहीर मोहल्ला, जहांगीराबाद, रामसिंह यादव, पीपल चौराहा, निशातपुरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने ई रिक्शा चुराने की बात स्वीकार ली।

नमाज पढ़कर लौटे तो चोरी हो चुका था इलेक्ट्रिक रिक्शा

भोपाल। राजधानी में सक्रिय वाहन चोर लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जहांगीराबाद इलाके में एक व्यक्ति नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद के अंदर चला गया। कुछ समय बाद बाहर निकला तो उसका इलेक्ट्रिक रिक्शा चोरी हो चुका था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रिजवान अहमद (48) जिंसी जहांगीराबाद में रहते हैं और ड्रायवरी करते हैं। कुछ समय पहले उन्होंने किराए पर सवारी इलेक्ट्रिक रिक्शा चलाने के लिए लिया था। पिछले दिनों रात करीब नौ बजे उन्होंने अपना रिक्शा पुलिस मुख्यालय के पास स्थित मस्जिद के सामने खड़ा किया और नमाज पढ़ने के लिए अंदर चले गए। कुछ समय बाद वह मस्जिद से बाहर निकले तो उनका रिक्शा गायब हो चुका था। आसपास तलाश करने के बाद भी जब रिक्शे का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर शाहपुरा थानांतर्गत आकाश गंगा कालोनी से नीलेश कुमार की बाइक, मछली मार्केट पिपलानी से राधेश्याम, शाहजहानाबाद से पीयूष जायसवाल, दानिश कुंज कोलार रोड से अजीत कुमार और बाबा नगर चूनाभट्टी धर्मंद राजपूत का बाइक चोरी हो गई।

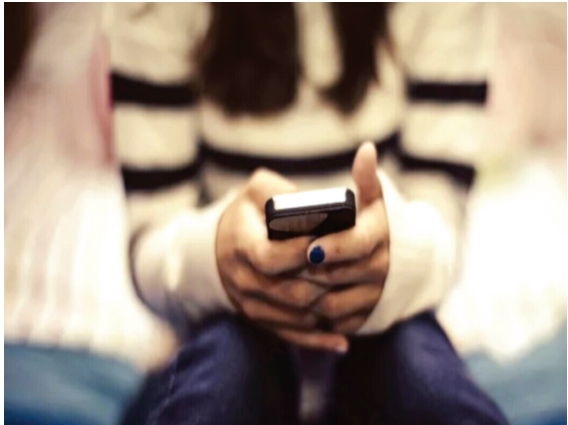
मेट्रो एंकर

मोबाइल चलाने पर फटकार लगाने और पेपर बिगड़ने से दुखी होकर घर से बिना बताए चली गई थी नाबालिग

टीटी नगर से लापता दो नाबालिग रायसेन व उप्र में मिली

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

टीटी नगर पुलिस ने इलाके से लापता हुई 15 और 16 साल की नाबालिगों को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर तलाश निकाला। एक नाबालिग मां की फटकार से दुखी होकर रायसेन पहुंच गई थी, जबकि दूसरी नाबालिग सप्लीमेंट्री का पेपर बिगड़ने से दुखी होकर झांसी पहुंच गई थी। नाबालिगों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही परिजन को बच्चियों की ठीक से देखभाल करने की हिदायत दी गई।



थाना प्रभारी गौरव सिंह दौहर के अनुसार 18 अगस्त को दोपहर सूरज नगर इलाके से 15 साल की नाबालिग

ने उसे फटकार लगाई थी। इससे दुखी होकर वह रायसेन अपने दादा दादी के घर जाने के निकल गई थी।

इसी प्रकार इलाके में रहने वाले एक परिवार ने बताया कि 18 अगस्त को वह 16 साल की बेटे के साथ रंगमहल चौराहा आए थे। इस दौरान बेटे बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक तलाश करने पर भी उसका कुछ पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इस दौरान उसकी लोकेशन रेलवे स्टेशन की तरफ मिली। पुलिस ने जीआरपी को नाबालिग का हुलिया भेजा और झांसी में जीआरपी की टीम ने हुलिए के आधार पर नाबालिग को स्टेशन पर देखकर पुलिस को सूचना दी। टीटी नगर पुलिस की टीम तत्काल झांसी पहुंची और वहां से बच्ची को दस्तयाब कर लिया गया। नाबालिग ने पूछताछ में बताया कि उसका मोबाइल चलाने को लेकर मां से विवाद हुआ था। मां ने उसे फटकार लगाई थी। इससे दुखी होकर वह रायसेन आ गई।

ब्रेक लगाते ही पीछे से आ रही कार ने मारी टक्कर

भोपाल। मिसरोद इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार सिराज खान (48) सारणी जिला बैतूल के रहने वाले हैं। शुक्रवार को वह अपने बच्चों को कालेज छोड़ने के लिए कार से भोपाल आ रहे थे। दोपहर करीब बारह बजे वह मिसरोद थानांतर्गत बेस्ट प्राइज के पास पहुंचे, तभी अचानक कार के सामने एक मवेशी आ गया। उन्होंने अपनी कार की रफ्तार कम की, तभी पीछे से आ रही दूसरी कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में कार सवार किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई है।